तक कितने राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ इन की बैठक हुई है और उस बारे में रिपोर्ट कितने राज्यों से आयी है?

श्री सुरेश प्रभुः सर, मैं खुद सभी राज्यों में गया हूं और एक ही बार नहीं कई बार गया हूं। अभी हमारे एक माननीय सदस्य कह रहे थे कि आप पहले दिन ओडिशा में थे। हमारे दलवई साहब कह रहे थे कि महाराष्ट्र में कितनी बार गए? हम ने सभी राज्यों में जाकर वहां के प्रतिनिधियों से मिलकर और वहां के मुख्य मंत्रियों के साथ बैठक कर के बहुत सारी कठिनाइयों को दूर करने की कोशिश की है। सर, यह व्यवस्था तो political level पर हो गयी, administrative level पर, institutionalized manner में जो व्यवस्था की है, उस में राज्य सरकारों के बारे में जानकारी, मैंने इस body of Answer में ही पूरी जानकारी दी है। साथ ही रेलवे बोर्ड के जो अधिकारी हैं, उन की जानकारी भी मैं circulate कर दूंगा, जिस से आप को भी पता चलेगा कि मेरे राज्य के प्रतिनिधि कौन हैं। आप उन के साथ सीधे interact कर सकते हैं। सर, तीसरी बात, हमारे जोन में भी हम ने हमारे ऑर्फिसस बनाए हैं, जो राज्य सरकार के साथ ही coordinate करेंगे on one hand और रेलवे बोर्ड में भी उन का coordination रहेगा।

Decline in population of livestock

*322.SHRI MOHD. ALI KHAN: Will the Minister of AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been a significant decrease of livestock over the years, if so, the details thereof; and

(b) whether a livestock census has been conducted recenuy, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE (SHRI RADHA MOHAN SINGH): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) There has been a very small decrease of only about 3.33% in the total Livestock population between Livestock Census, 2007 and Livestock Census, 2012.

(b) The Livestock Census is conducted once in every five yea` The latest Livestock Census has been conducted during the year 2012 in participation with all States and Union Territories. The livestock species namely Cattle, Buffaloes, Sheep, Pigs, Horses & Ponies, Mules, Donkeys, Camels, Mithun and Yak have been included in the Census. Poultry population has also been covered in the Livestock Census-2012. The key findings in respect of some of the major species of livestock is given below:

(i) The Total Livestock population is 512.06 Million in the country.

(ii) The total Bovine population including cattle and buffaloes in the country is about 299.98 million which is 59% of total livestock population.

(iii) The Total Cattle population is 190.90 Million which is 37.28% of total livestock population.

(iv) The Total Buffaloes population is 108.70 Million which is 21.23% of total livestock population.

(v) The Total Sheep population is 65.06 Million which is 12.71% of total livestock population.

(vi) The Total Goat population is 135.17 Million which is 26.40% of total livestock population.

(vii) The Total Pig population is 10.29 Million which is 2.01% of total livestock population.

श्री मोहम्मद अली खानः चेयरमैन साहब, मंत्री जी ने अपनी रिपोर्ट में यह तस्लीम किया है कि भारत देश के अंदर दिन-ब-दिन जानवरों की तादाद कम हो रही है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि हिंदुस्तान के कई शहरों के अंदर, agriculture land को प्राइवेट बिल्डर्स द्वारा लिए जाने से जो कमी आयी है, उस की वजह से जानवरों के चारे पर भी काफी असर पड़ा है। इस कारण शहरों के अंदर प्लास्टिक का सामान जो आवाम इस्तेमाल करती है और उसे कचरे में डालने से जानवर अपनी भूख मिटाने के लिए उस कचरे में मिले प्लास्टिक को खा लेते हैं।

† **جناب محمد علی خان :** چیئرمین صاحب، منتری جی نے اپنی رپورٹ میں یہ تسلیم کیا ہے کہ بھارت دیش کے اندر دن بہ دن جانوروں کی تعداد کم ہو رہی ہے۔ میں منتری جی سے یہ جاننا چاہتا ہوں کہ ہندوستان کے کئی شہروں میں، ایگریکلچر لینڈ کو پرائیویٹ بلڈرس کے ذریعے، لئے جانے سے جو کمی آئی ہے، اس کی وجہ سے جانوروں کے چارے پر بھی کافی اثر پڑا ہے۔ اس وجہ سے شہروں کے اندر پلاسٹک کا سامان جو عوام استعمال کرتی ہے اور اسے کچرے میں ڈالنے سے جانور اپنی بھوک مٹانے کے لئے اس کچرے میں ملے پلاسٹک کو کھا لیتے ہیں۔

श्री सभापतिः आप सवाल पूछिए।

†Transliteration in Urdu script.

श्री मोहम्मद अली खानः सर, जितनी इंसानों की कीमत है, जानवरों की जानों की भी उतनी ही कीमत है। हमें उसका भी एतराम करना चाहिए।

† **جناب محمد علی خان :** سر، جتنی انسانوں کی قیمت ہے، جانوروں کی جانوں کی بھی اتنی ہی قیمت ہے۔ ہمیں اس کا بھی احترام کرنا چاہئے۔

श्री सभापतिः आप कृपया सवाल पूछिए।

श्री मोहम्मद अली खानः सर, जानवरों की तादाद को महफूज करने के लिए, उनकी गिज़ाओं के लिए पूरा इंतजाम हो, क्या इस के लिए मरकज़ी सरकार स्टेट सरकार के ज़रिए पंचायत को कोई मदद कर रही है?

† **جناب محمد علی خان :** سر، جانوروں کی تعداد کو محفوظ کرنے کے لئے، ان کی غذاؤں کے لئے پورا انتظام ہو، کیا اس کے لئے مرکزی سرکار اسٹیٹ سرکار کے ذریعے پنچایت کو کوئی مدد کر رہی ہے؟

श्री राधा मोहन सिंहः महोदय, जहां तक पशुधन में कमी का सवाल है, इस में पूरे देश के आंकड़े में 3 प्रतिशत की कमी आयी है, लेकिन देश में कई ऐसे राज्य हैं, जहां पशु-धन की संख्या बढ़ी है। महोदय, 2007 की जनगणना और 2012 की जनगणना के अनुसार गुजरात, उत्तर प्रदेश, असम, बिहार में पशु-धन की संख्या में वृद्धि हुई है। यह वृद्धि गुजरात में 15 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 14 फीसदी, असम में 10 फीसदी, पंजाब में 9 फीसदी और बिहार में 8 फीसदी की हुई है। लेकिन तमिलनाडु, केरल, पश्चिमी बंगाल और गोवा - इन राज्यों में कमी आई है, टोटल मिलाने के बाद - 3 per cent है। जहां तक चारे का सवाल है, किसानों को चारा देने के लिए हमारी सरकार के द्वारा राज्यों के माध्यम से सहायता दी जाती है। इसके अलावा देश में चारा अनुसंधान केन्द्र भी है और इसमें नई वैरायटी तैयार होकर राज्यों के माध्यम से किसान के लिए दी जाती है। आपने शहर की बात की है, लेकिन जो हमारा पशुधन है, यह 95 फीसदी गांवों में रहता है, 5 फीसदी शहरों व आसपास के क्षेत्रों में पाया जाता है। जहां तक कचरे का संबंध है, यह दूसरे मंत्रालय से संबंधित और उस मंत्रालय ने इसके लिए शहरी कम्पोस्ट की योजना बनाई है। पूरे देश में चारा उत्पादन के लिए राज्यों को सहायता दी जाती है और अनुसंधान केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं, जिनमें नई-नई वैराइटीज़ तैयार होकर राज्यों को दी जाती हैं।

श्री मोहम्मद अली खानः चेयरमैन साहब, मेरा दूसरा सवाल यह है कि गर्मी के मौसम में हर साल पूरे देश में पानी की कमी की वजह से काफी जानवरों की गिज़ाओं की कमी के वाकये होते हैं, लेकिन इसको पूरा करने के लिए क्या मरकज़ी सरकार गांवों की ग्राम पंचायतों को छोटे-छोटे तालाब बनाकर, जानवरों की गिज़ाओं को दूर करने के लिए माली मदद देती है, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं।

---

†Transliteration in Urdu script.

†**جناب محمد علی خان :** چیئرمین صاحب، میرا دوسرا سوال ہے کہ گرمی کے موسم میں ہر سال پورے دیش میں پانی کی کمی کی وجہ سے کافی جانوروں کی غذاؤں کی کمی کے واقعے ہوتے ہیں، لیکن اس کو پورا کرنے کے لئے کیا مرکزی سرکار گاؤں کی گرام پنچایتوں کو چھوٹے چھوٹے تالاب بنا کر، جانوروں کی غذاؤں کو دور کرنے کے لئے مالی مدد دیتی ہے، میں سرکار سے یہ جاننا چاہتا ہوں۔

श्री राधा मोहन सिंहः यह प्रश्न का मूल सवाल से और मेरे मंत्रालय से कोई संबंध नहीं है, फिर भी मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि पिछले वर्ष जब महाराष्ट्र में भारी संकट आया, तो सभी राज्यों के साथ अलग-अलग बैठक करके जल संचयन के लिए राज्य सरकारों ने योजना बनाई और 'मनरेगा' के तहत पिछले वर्ष लक्ष्य किया गया था कि किसानों के खेतों के लिए पांच लाख तालाब खुदवाए जाएंगे। पिछले वर्ष यह लक्ष्य पूरा हो गया और इस वर्ष भी 'मनरेगा' के तहत पांच लाख तालाब खुदवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

श्री शंकरभाई एन. वेंगड़ः सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि हमारे देश में पशुधन की कमी न हो, इसके लिए गुजरात सरकार ने दो दिन पहले विधान सभा में सख्त से सख्त कानून गौ हत्या के ऊपर लागू किया है। क्या भारत सरकार भी कोई ऐसा कानून लाना चाहती है, ताकि हमारी गायें तथा पशुधन बच सके?

श्री राधा मोहन सिंहः मेरे मंत्रालय का काम उत्पादन और उत्पादकता से संबंधित है, इसलिए यह विषय मेरे मंत्रालय से संबंधित नहीं है।

SHRI MANISH GUPTA: Hon. Chairman, Sir, with your kind permission, I would like to know from the hon. Minister whether the Government has any artificial insemination programme for upgradation of cattle or other livestock species.

श्री राधा मोहन सिंहः यह योजना देश में पहले से ही चल रही है, लेकिन मोदी जी की सरकार आने के बाद एक राष्ट्रीय बोवाइन उत्पादकता मिशन प्रारम्भ किया गया और इसके तहत पशु संजीवनी, उन्नत प्रजनन टेक्नोलॉजी, ई-पशुधन हाट और देशी नस्लों हेतु राष्ट्रीय बोवाइन जननिक केन्द्र की स्थापना की गई है।

इसके अलावा देश में दो राष्ट्रीय कामधेनू ब्रीड्स सेन्टर्स की भी स्थापना की गई है और राष्ट्रीय गोकुल मिशन के माध्यम से, यह सरकार बनते ही योजना शुरू हो गई, 25 राज्यों से 37 प्रस्ताव आए और पिछले वर्ष उनकी स्वीकृति दी गई है, इसके माध्यम से यह प्रक्रिया देश में प्रारम्भ हो गई है।

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Husain Dalwai. ...*(Interruptions)*... No, no. You have a supplementary question here. Do you want to ask a supplementary question or not?

श्री हुसैन दलवईः चेयरमैन सर, महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर किसान...

MR. CHAIRMAN: You have a supplementary question on this. Are you asking a supplementary question? No! Okay. Shri Rapolu, do you have a supplementary question?

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Respected Chairman, Sir, between 2007 and 2012, there has been a fall of 3.3 per cent in the livestock. That is very serious dearth. In the given situation, the livestock is facing a greater challenge. Vaccination is very essential.

---

†Transliteration in Urdu script.